राम न भज्या सु रामजी रिझेला,
आ दुनिया रिझेली मीठी बता सूं,
भरम गांठ को जवेलो,
थान घर घर घर डोळ्या सूं।।

सुनो रे सज्जनो ई कलीयुग माही,
बाढ़ ही खेत न खावे हँ,
पराया हाथा सु कोई चीज मंगवावे,
तो व भी पूरी नही आवे हँ,
ओ मन को वश्वास जावे,
बिन पाछी तोल्या सूं।।

अरे भाई परहित कोई धर्म नही हँ,
पर पीड़ा सम पाप नही,
राम नाम के जाप बराबर,
दूजा कोई जाप नही,
ओ नर तेरी भक्ति होवेगी,
राम नाम मुख म बोल्या सूं।।

अरे ताऊ चोरी, चुगली,और जामनी,
नारी पराई न त्यागो जी,
साधू सन्त सतगुरु की सेवा करज्यो,
ओ श्री राम का भजना म लागो जी,
ओ नर तू बेकुठा म जावेलो,

साची साची बोल्यसू।।

अरे चाचा ई मन कपटी को नही भरोसो,
यो तो बदल जावे एक पल माही,
ऐ मात,पिता,सतगुरु की सेवा,
भाग बिन मिल पावे नही,
ओ आनन्द हो जावेला थारा जीवन में,
ओ थारा मन की घुंडी खोलयसू।।

राम न भज्या सु रामजी रिझेला,
आ दुनिया रिझेली मीठी बता सूं,
भरम गांठ को जवेलो,
थान घर घर घर डोळ्या सूं।।

प्रेषक वैध कैलाश सोनी सिंहासन
सीकर राजस्थान
9928801614

वीडियो उपलब्ध नहीं है।

Source: https://www.bharattemples.com/ram-na-bhajya-su-ram-ji-rijhela/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw